>

Tilte: Need to re-establish the Chamar Regiment and accord the status of Freedom Fighters to the soldiers who belonged to the erstwhile Chamar Regiment.

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली): सभापति महोदय, देश में नौ जातियों के नाम पर रेजीमेंट्स हैं।..(व्यवधान) राजपूत रेजीमेंट, महार रेजीमेंट, राजपूताना राइफल, सिख रेजीमेंट, गोरखा रेजीमेंट, मराठा रेजीमेंट सहित नौ जातियों के नाम पर रेजीमेंट्स हैं। ...(व्यवधान) सन् 1942-43 में चमार रेजीमेंट का गठन हुआ। ...(व्यवधान) जिस समय द्वितीय महायुद्ध शुरू हुआ था, उस समय चमार रेजीमेंट का गठन हुआ। ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Please sit down and take your seat. Half an hour discussion means, he will initiate and discuss it for 10 minutes. Afterwards, four Members who have got priority in the ballot will put four questions with one minute each. You have already discussed it and hon. Minister has replied. If you are not satisfied, you write and he will give reply further.

...(*Interruptions*)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : महोदय, तब चमार रेजीमेंट का गठन हुआ और ...(व्यवधान) वर्ष 1942 से 1946 तक चमार रेजीमेंट देश के लड़ती रही, ...(व्यवधान) लेकिन जब द्वितीय विश्व युद्ध खत्म हुआ ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Please be brief.

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : द्वितीय विश्व युद्ध जब खत्म हुआ, अंग्रेजी सल्तनत ने चमार रेजीमेंट को समाप्त कर दिया। ...(व्यवधान) उन लोगों पर आरोप था कि नेता जी सुभाष चंद्र बोस की जो जय हिंद फौज है, उससे उनका संपर्क है और देश की आजादी के लिए वह भी लड़ रहे हैं। उन लोगों ने विरोध किया चमार रेजीमेंट को खत्म नहीं होना चाहिए। ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Please sit down. Let him speak.

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : महोदय, मैं कोई नई मांग नहीं कर रहा हूं। ...(व्यवधान) उसमें जो हरियाणा चमार संघर्ष समिति है, पंजाब चमार महासभा है ...(व्यवधान) सब लड़ाई लड़ रहे हैं। ...(व्यवधान) उस समय के चमार रेजीमेंट के जिन 47 फौजियों को सजा दी गयी...(व्यवधान) जेल में उन्हें डाला गया। ...(व्यवधान) उन्हें सजा दी गयी, जिनमें जोगीराम और धर्मसिंह दो फौजी अभी जीवित हैं। ...(व्यवधान) 47 फौजियों के नाम मेरे पास हैं, ...(व्यवधान) मैं सदन के समक्ष उसे जमा करता हूं। ...(व्यवधान)

18.18 hrs.

At this stage Shrimati Rama Devi and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : मैं सरकार से मांग करता हूं कि देश में जिसकी आबादी 11 करोड़ है, ...(व्यवधान) अनुसूचित जाति में जिनका मान बढ़ा हुआ है, ...(व्यवधान) अंग्रेजी सल्तनत में चमार रेजीमेंट था ...(व्यवधान) उस चमार रेजीमेंट को समाप्त किया, ...(व्यवधान) इसलिए चमार रेजीमेंट को रिवाइव किया जाए। ...(व्यवधान) मेरी मांग है कि इन्हें स्वतंत्रता सेनानी का दर्जा दिया जाए।

MR. CHAIRMAN: Shri Ghanshyam Anuragi is allowed to associate himself on the issue raised by Dr. Raghuvansh Prasad Singh.

The House stands adjourned to meet tomorrow on 30th August at 11.00 a.m.

18.19 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Tuesday, August 30, 2011/ Bhadra 8, 1933 (saka).

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.